



• भाषा की बात

8. 'पकड़-पकड़कर' की तरह नीचे लिखे शब्दों को पूरा करो और उनसे वाक्य भी बनाओ -

छोड़, बना, फिर, खिला, पोंछ, थमा, सुना, कह, दिखा, छिपा।

उत्तर:-

छोड़	छोड़कर	मोबाइल पर खेलना छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान दो।
बना	बनाकर	अक्षरों को बनाकर लिखो।
फिर	फिरकर	घूम फिरकर तुम्हारी बार्ते मुझ पर ही आकर ठहरती है।

खिला	खिलाकर	माँ बच्चे को खिलाकर अन्य काम करने लगी।
पोंछ	पोंछकर	मैंने पसीना पोंछकर रुमाल जेब में रख दिया।
थमा	थमाकर	पोस्टमैन लिफाफा थमाकर चलता बना।
सुना	सुनाकर	कक्षा में शिक्षिका जरूरी सूचना सुनाकर चली गई।
कह	कहकर	तुम मुझसे कहकर तो देखते।
दिखा	दिखाकर	राहुल अपना परिणाम- पत्रक दिखाकर रोने लगा।

9. इन शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखो -
हाथ, सदा, मुख, माता, स्नेह।

उत्तर:- हाथ - कर, हस्त

सदा - हमेशा, निरंतर

मुख - मुँह, आनन

माता - माँ, जननी

स्नेह - प्रेम, प्यार

10. कविता में 'दिन-रात' शब्द आया है। तुम भी ऐसे
पाँच शब्द सोचकर लिखो जिनमें किसी शब्द का
विलोम शब्द भी शामिल हो और उनके वाक्य
बनाओ।

उत्तर:- सुबह-शाम - सुबह-शाम माँ परिवार के विषय
में ही सोचती रहती है।

मित्र-शत्रु - आज के युग में मित्र-शत्रु की पहचान
मुश्किल है।

उल्टा-सीधा - तुम्हें इस तरह की उल्टी-सीधी हरकत
शोभा नहीं देती है।

अच्छा-बुरा - संसार में अच्छे-बुरे की पहचान अनिवार्य
है।

सुख-दुःख - सुख-दुःख जीवन की सच्चाई है।

11. 'निर्भय' शब्दों में 'नि' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाया गया है। तुम भी 'नि' उपसर्ग से पाँच शब्द बनाओ।

उत्तर:- निडर, निरोग, निकम्मा, निरक्षर, निर्बल।

12. कविता की किन्हीं चार पंक्तियों को गद्य में लिखो।

उत्तर:- ऐसी बड़ी न होऊँ मैं
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय।
मैं इस प्रकार बड़ी नहीं होना चाहती जिससे तुम्हारा
स्नेह छूट जाए। मैं तुम्हारी आँचल की छाया में
निर्भय होकर रहना चाहती हूँ।

***** END *****